www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 306 || लखनऊ
सोमवार
09 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्मभूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:47
सूर्यास्तः 05:54
अधिकतमः 24°00
न्यूनतमः 10°00

पेज 03

विशेष समाचार बंगाल में सनातनी परंपरा का ... >> पेज 02 | बीबीडी थाने पर धरने पर बैठीं सपा ... >> पेज 04 | नहीं टलेगी शाहिद की फिल्म ओ रोमियो ...

पीएम मोदी के भाषण की 10 बड़ी बातें

- एमओयू सहित 11 दस्तावेजों का आदान-प्रदान हुआ।
- भारत और मलेशिया के बीच कृषि, मैन्युफैक्चरिंग और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा।
- एआई और डिजिटल तकनीकों के साथ सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्रों में भी साझेदारी बढ़ेगी।
- 2025 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 18.59 अरब डॉलर तक पहुंचा।
- भारत सरकार मलेशिया के कोटा किनाबालू में वाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट) खोलेगा।
- ऑडियो-विजुअल समझौते से तमिल फिल्मों और संगीत को बढ़ावा मिलेगा।
- मलेशिया में भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट, मुफ्त ई-वीजा।
- पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई डिजिटल इंटरफेस जैसी व्यवस्थाओं पर फोकस।
- स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने पर सहमति।
- आतंकवाद पर कड़ा रुख- कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं।

आतंकवाद पर कोई डबल स्टैंडर्ड नहीं : मोदी

तमिल भाषा भारत-मलेशिया को जोड़ती है ■ दोस्त से किया वादा निभाने मलेशिया आया

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

कुआलालंपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलेशिया दौरे का आज दूसरा दिन है। पीएम मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच आज द्विपक्षीय बातचीत हुई। पीएम मोदी ने आतंकवाद पर अपना रुख कड़ा किया। उन्होंने कहा, 'आतंकवाद के बारे में हमारा संदेश बहुत स्पष्ट है, कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं। भारत और मलेशिया आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करेंगे।' पीएम मोदी ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान तमिल भाषा की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि तमिल भाषा के प्रति साझा प्रेम भारत और मलेशिया को जोड़ता है। 'मुझे पूरा विश्वास है कि आज हुए ऑडियो-विजुअल समझौते के साथ फिल्में और संगीत, खासकर तमिल फिल्में, हमारे दिलों को और करीब लाएंगी।'

>> (शेष पेज 04 पर)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बातचीत के दौरान कहा कि भारत और मलेशिया का कृषि और मैन्युफैक्चरिंग से लेकर, स्वच्छ ऊर्जा और सेमीकंडक्टर तक, हर क्षेत्र में सहयोग गहरा रहा है। उन्होंने कहा, 'हम कौशल विकास और क्षमता निर्माण में भी महत्वपूर्ण भागीदार हैं। हमारा रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी लगातार मजबूत हो रहा है।' पीएम मोदी ने मलेशियाई पीएम को आसियान की सफल अध्यक्षता के लिए बधाई दिया। उन्होंने कहा, 'हमारे संबंधों की असली ताकत हमारे लोगों के संबंधों में निहित है।

मोदी बोले- आतंकवाद के खिलाफ सहयोग मजबूत करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'सुरक्षा क्षेत्र में हम आतंकवाद-विरोधी कार्रवाई, खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को और मजबूत करेंगे। हम रक्षा सहयोग को भी अधिक व्यापक बनाएंगे।' उन्होंने बताया कि AI और डिजिटल तकनीकों के साथ-साथ सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्रों में भी साझेदारी को आगे बढ़ाई जाएगी।

■ PM मोदी और मलेशिया के पीएम अनबर इब्राहिम स्वागत समारोह के दौरान हाथ मिलाते हुए।

पीएम मोदी ने 10वें सीईओ फोरम में भाग लिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10वें भारत-मलेशिया सीईओ फोरम के दौरान आज मलेशिया के चार प्रमुख उद्योगपतियों के साथ बातचीत की। उन्होंने पेट्रोनास के अध्यक्ष और ग्रुप सीईओ तन श्री तेंगकु मुहम्मद तौफिक, खजानाह नेशनल बर्हाद के डायरेक्टर दातो' अमीरुल फैसल वान जाहिर और फाइसन इलेक्ट्रॉनिक्स के संस्थापक दातो पुआ खेइन सेंग से मुलाकात की।

मोदी बोले- भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा के लिए इंतजाम किए

नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मलेशिया में भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट, मुफ्त ई-वीजा, और पर्यटन के लिए यूपीआई डिजिटल इंटरफेस जैसी व्यवस्थाएं दोनों देशों के नागरिकों के जीवन को सरल बनाएंगी।'

प्राइवेट ट्रेनी प्लेन खेत में क्रैश

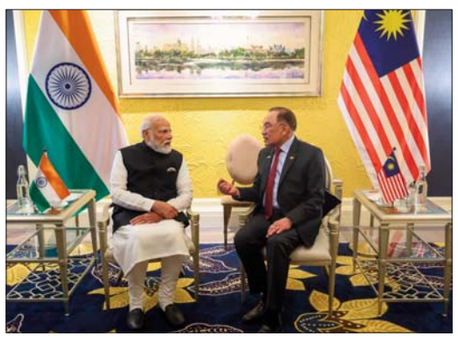

दोनों पायलट ने कूद कर जान बचाई, शुरूआती जांच में इंजन खराबी वजह

तमसा संकेत, एजेंसी

वियजवाड़ा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में रविवार को एक खेत में प्राइवेट ट्रेनी प्लेन क्रैश हो गया। जमीन पर गिरने से पहले ही दोनों पायलट ने इजेक्ट कर लिया। उन्हें हल्की चोटें आई हैं। घटना बालेश्वर क्षेत्र मंगलुरु गांव में हुई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि यह रेड बर्ड एविएशन का एक प्राइवेट ट्रेनी एयरक्राफ्ट है। जो कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि प्लेन के इंजन में टेक्निकल खराबी आई थी। विमान के मुख्य पायलट कैप्टन कुणाल मल्होत्रा थे। मल्होत्रा रेडबर्ड एविएशन में असिस्टेंट फ्लाइट इंस्ट्रक्टर (AFI) हैं। वहीं, ट्रेनी पायलट की पहचान गौतम शंकर पीआर के रूप में हुई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि रेडबर्ड फ्लाइंग ट्रेनिंग एकेडमी लिमिटेड का सेसना 172 विमान, VT-EUC (MSN-17265717) था। इसने बेलगावी एयरपोर्ट से 100 किमी पूर्व में बागलकोट के पास एक खेत में इमरजेंसी लैंडिंग की। इंस्ट्रक्टर और कैडेट दोनों सुरक्षित हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी CM अजित पवार का लियरजेट 45 प्रीमियम बिजनेस जेट क्रैश होने से 10 जनवरी को निधन हो गया था। सुबह 8.45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान उनका चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया था। वे 66 साल के थे। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू मेंबर समेत 5 लोगों की जान गई। प्रयागराज में एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट 21 जनवरी को क्रैश हो गया था। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। 2 सीटर एयरक्राफ्ट में सवार दोनों पायलट सुरक्षित बच गए। हादसा दोपहर करीब 12:20 बजे केपी कॉलेज के पीछे हुआ।

अजित पवार की अस्थियां लेकर बेटा नंगे पैर संगम पहुंचा

पत्रकारों के सवाल पर चुप रहे, प्राइवेट जेट से परिवार प्रयागराज आया

- महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की अस्थियां लेकर परिवार प्रयागराज पहुंचा।
- जय पवार नंगे पैर ही एयरपोर्ट से बाहर आए। उनके हाथों में पिता की अस्थियां थीं।

धीरज शर्मा ने बताया- परिवार समेत लाखों राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं और दादा के समर्थकों के लिए बहुत भावुक पल हैं। मैं अस्थि कलश यात्रा को लेकर हरिद्वार से तेलंगाना तक गया। अजित दादा सिर्फ महाराष्ट्र के नहीं, बल्कि देश की बड़ी राष्ट्रीय राजनीतिक शख्सियत थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी CM अजित पवार की अस्थियां रविवार को संगम में प्रवाहित की गईं। बेटे जय पवार ने संगम पर पूजा-पाठ की। फिर मंत्रोच्चारण के बीच अस्थि विर्सजन किया। इस दौरान जय पवार भावुक नजर आए। वह पूरे कार्यक्रम के दौरान चुप रहे। किसी से बात नहीं की। यही नहीं, जब पत्रकारों ने जय से सवाल किए तो भी वह चुप रहे, कुछ भी नहीं कहा। पवार परिवार चार्टर्ड फ्लाइट से पुणे से प्रयागराज पहुंचा था। जय पिता की अस्थियां लेकर नंगे पैर एयरपोर्ट से बाहर आए। उनके हाथ में अस्थियों का बॉक्स था। एयरपोर्ट से संगम तक लंबे काफिले के साथ परिवार घाट तक पहुंचा। अस्थि विसर्जन के दौरान भाजपा और NCP के नेता भी मौजूद रहे।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

स्टूडेंट ने महिला टीचर को थप्पड़ मारा

अहमदाबाद। गुजरात के पंचमहल जिले में 12वीं के एक छात्र ने महिला टीचर को क्लासरूम में थप्पड़ मार दिया। घटना 24 जनवरी को शेरा कस्बे के एस.जे. डेव हाई स्कूल में हुई। मामले का CCTV फुटेज सामने आने के बाद विवाद बढ़ा और 3 फरवरी को FIR दर्ज की गई। पुलिस के मुताबिक, छात्र 12वीं की दूसरी प्रीलिम परीक्षा के लिए देर से पहुंचा था।

बॉडीबिल्डर ने प्रेमिका की सगाई पर किया सुसाइड

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शनिवार को एक 26 साल के जिम ट्रेनर और बॉडीबिल्डर ने सुसाइड कर लिया। यह कदम उसने तब उठाया, जब उसे उसकी गर्लफ्रेंड ने बताया कि उसकी कहीं और सगाई हो गई है। किरण नाम के इस 26 साल के 26 साल के बॉडीबिल्डर ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उसने अपनी प्रेमिका और उसकी मां को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है। नॉर्थ बेंगलुरु के महालक्ष्मी गेलेयारा बालागा लेआउट में रहने वाला किरण के परिवार वालों ने पुलिस को बताया कि दोनों करीब तीन सालों से रिलेशन में थे। प्रेमिका ने करीब 15 दिन पहले उसे अपनी सगाई के बारे में बताया था।

महाराष्ट्र जिला परिषद चुनाव में नाबालिगों ने वोट डाले

महाराष्ट्र जिला परिषद चुनाव के दौरान नाबालिग को पोलिंग बूथ के अंदर ले जाने से जुड़े दो मामले सामने आए हैं। पहला केस सोलापुर और दूसरा छत्रपति संभाजीनगर जिले से जुड़ा है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, सोलापुर जिले के अकलुज स्थित यशवंत नगर मतदान केंद्र पर उम्मीदवार अर्जुन सिंह मोहिते पाटिल अपने 14 साल के बेटे के साथ पोलिंग बूथ के अंदर गए। आरोप है कि नाबालिग ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) का बटन दबाया।

विधानसभा अध्यक्ष ने सहयोग का आह्वान

संवाद और शालीन बहस से सत्र चलेगा सुचारु रुप से

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने 09 जनवरी 2026 से प्रारम्भ हो रहे 18वीं विधान सभा सत्र को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी दलीय नेताओं से सहयोग का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि संसदीय व्यवस्था में संवाद तथा सकारात्मक चर्चा-परि-चर्चा के माध्यम से लोकतंत्र सुदृढ़ होता है। विधानसभा चर्चा और परिचर्चा का मंच है, शोर-शराबे का नहीं। सहमति और असहमति लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं। शोर-शराबे से न तो सरकार की बात सामने आती है और न ही विपक्ष की।विधान भवन में आयोजित सर्वदलीय बैठक में सभी दलीय नेताओं ने विधान सभा अध्यक्ष को सदन संचालन में सहयोग देने का आश्वासन दिया।बैठक में विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि यह देश की सबसे बड़ी विधान सभा है। स्वाभाविक रूप से उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्यवाही पूरे देश के विधान मंडलों के लिए एक मानक एवं आदर्श प्रस्तुत करती है। श्री महाना ने कहा कि सभी सदस्यों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर दिया जाएगा।

कोई भी हिंदू आरएसएस प्रमुख बन सकता है, सावरकर को भारत रत्न देने से पुरस्कार की गरिमा बढ़ेगी

संघ कहे तो पद छोड़ दूंगा : भागवत

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि यदि संघ उनसे पद छोड़ने को कहेगा, तो वे तुरंत ऐसा करेंगे। आमतौर पर 75 साल की उम्र के बाद किसी पद पर नहीं रहने की परंपरा की बात कही जाती है। RSS प्रमुख ने कहा कि सरसंघचालक बनने के लिए क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है। जो हिंदू संगठन के लिए काम करता है। वही सरसंघचालक (RSS प्रमुख) बनता है। भागवत रविवार को मुंबई में RSS के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न दिया गया तो इससे पुरस्कार की गरिमा और बढ़ेगी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत में हिंदू ही है और कोई है ही नहीं। किसी खास रस्म या प्रार्थना से जुड़े धर्म को नहीं दिखाता है, न ही यह किसी खास समुदाय का नाम है। RSS किसी के खिलाफ नहीं है और न ही उसे सत्ता या पावर की इच्छा है। संघ राजनीति में सीधे तौर पर शामिल नहीं है, हालांकि संघ के कुछ लोग राजनीति में सक्रिय हैं। भागवत ने कहा कि बहुत से लोग कहते हैं कि नरेंद्र भाई आरएसएस के प्रधानमंत्री है। उनकी पॉलिटिकल पार्टी बीजेपी अलग है। उसमें बहुत स्वयंसेवक है, लेकिन संघ की नहीं। संघ के स्वयंसेवक उसमें हैं। RSS प्रमुख मोहन भागवत ने हैदराबाद में कहा कि अवैध रूप से भारत में घुसने वाले बांग्लादेशी और रोहिंग्या लोगों की पहचान करना और उन्हें देश से बाहर भेजना सरकार की जिम्मेदारी है। नागरिक इस तरह के मामलों की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दे सकते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(RSS) चीफ मोहन भागवत ने 17 जनवरी को मुंबई में कहा था कि धर्म ही मुझे और नरेंद्र मोदी को धर्म ही चला रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि अस्तित्व में आई, तो उसके कामकाज को कंट्रोल करने वाले नियम धर्म बन गए। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है।

भागवत की स्पीच की 6 बड़ी बातें

- समान नागरिक संहिता (UCC) सभी को विश्वास में लेकर बनाई जानी चाहिए और इससे समाज में मतभेद नहीं बढ़ने चाहिए।
- उम्मीद है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के हितों को ध्यान में रखकर किया गया होगा और देश को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा।
- घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार को बहुत काम करना है। पहचान कर निष्कासन की प्रक्रिया होनी चाहिए। यह पहले नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब धीरे-धीरे शुरू हुआ है और आगे बढ़ेगा।
- RSS का काम प्रचार करना नहीं, बल्कि समाज में संस्कार विकसित करना है। जरूरत से ज्यादा प्रचार से दिखावा और फिर अहंकार आता है। प्रचार बारिश की तरह होना चाहिए। सही समय पर और सीमित मात्रा में।
- संघ अपने स्वयंसेवकों से आखिरी बूंद तक काम लेता है। RSS के इतिहास में अब तक ऐसी कोई स्थिति नहीं आई, जब किसी को जबरन रिटायर करना पड़ा हो।
- संघ की कार्यप्रणाली में अंग्रेजी कभी मुख्य भाषा नहीं बनेगी, क्योंकि यह भारतीय भाषा नहीं है। जहां जरूरत होती है, वहां अंग्रेजी का इस्तेमाल किया जाता है। हमें अंग्रेजी सीखनी चाहिए, लेकिन मातृभाषा को नहीं भूलना चाहिए।

फैसला : सीएम हिमंता के आरोप- कांग्रेस सांसद की पत्नी के पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध

गौरव गोगोई का मामला गृह मंत्रालय भेजेगी असम सरकार

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान कनेक्शन मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजेगी। असम कैबिनेट ने शनिवार को यह फैसला लिया। जिसके बारे में रविवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न का OCI/वीजा रद्द करने की मांग भी करेगी क्योंकि उनकी मौजूदगी भारत के लिए नुकसानदायक है। असम CM का आरोप है कांग्रेस सांसद गौरव और उनकी पत्नी एलिजाबेथ, पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख के बहुत करीब हैं। एक पाकिस्तानी फर्म ने गौरव की पत्नी को नौकरी दी, फिर उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया। एलिजाबेथ भारत से जुड़ी कई जानकारियां इकट्ठा करती थीं और पाकिस्तानी नागरिक अली शेख को रिपोर्ट देती थीं। अली तौकीर शेख एलिजाबेथ को इस काम के लिए सैलरी देता था। हिमंता ने यह भी दावा किया कि अली तौकीर 2010 से 2013 के बीच 13 बार भारत आया था। उसका मकसद दुनिया में भारत विरोधी नैरेटिव तैयार करना था। असम CM की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर गौरव गोगोई ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा ने मीडिया के सामने मंच पर खुद को शर्मिंदा किया।

>> (शेष पेज 04 पर)

अब इंटरपोल और सरकार की मदद की जरूरत- हिमंता

CM सरमा ने कैबिनेट के फैसले के बाद कहा था कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख और ब्रिटिश नागरिक एलिजाबेथ कोलबर्न गोगोई से जुड़ी भारत विरोधी साजिश की जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंप दी जाएगी। सरमा ने कहा कि SIT जांच ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है, जहां केंद्र सरकार की मदद के बिना आगे बढ़ना संभव नहीं है, क्योंकि इंटरपोल से मदद, भारत सरकार और संसद से संवेदनशील जानकारी की जरूरत है।

एलिजाबेथ का प्रोफेशनल बैकग्राउंड

- 2011 से 2015 तक क्लाइमेट डेवलपमेंट एंड नॉलेज नेटवर्क (सीडीकेएन) के साथ काम करते हुए, भारत, पाकिस्तान और नेपाल में परियोजनाओं की देखरेख की।
- यूरोपीय संसद, विदेशी विकास संस्थान (ओडीआई), अमेरिकी सीनेट और संयुक्त राष्ट्र सचिवालय में रिसर्च वर्क से जुड़े काम।
- वर्तमान में ऑक्सफोर्ड पॉलिसी मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में वरिष्ठ सलाहकार हैं।

■ कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ।

गौरव ने कहा था- पत्नी आईएसआई एजेंट, तो मैं भी रॉ एजेंट

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने भी खुद को R&AW एजेंट बताया था। गौरव ने कहा था- 'अगर मेरी पत्नी पाकिस्तान की ISI एजेंट है तो मैं भारत का R&AW एजेंट हूं। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता अगर कोई ऐसा परिवार जिसके खिलाफ कई केस और कई आरोप हैं।

कोटा में जिस रेस्टोरेंट के कारण हादसा वो अवैध

आरोप-अधिकारियों की लापरवाही के कारण बिल्डिंग गिरी

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोटा। राजस्थान के कोटा में एक 3 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। दावा किया जा रहा है जिस रेस्टोरेंट की बिल्डिंग के कारण हादसा हुआ वो अवैध है। इस रेस्टोरेंट को करीब दो महीने पहले ही नगर निगम ने बंद करा दिया था। फिर भी इसमें निर्माण काम हो रहा था। शनिवार रात को यहां के कंस्ट्रक्शन के कारण पड़ोस वाले दिल्ली रेस्टोरेंट की बिल्डिंग ढह गई। इसमें एक कोचिंग स्टूडेंट सहित दो की मौत हो गई। जबकि, 5 लोग गंभीर घायल हैं। डीएसपी योगेश शर्मा ने बताया- रेस्टोरेंट के कर्मचारी भूपेंद्र मीणा की शिकायत पर पास वाले मुरादाबादी रेस्टोरेंट संचालक और बिल्डिंग मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

■ 3 मंजिला बिल्डिंग में रेस्टोरेंट चल रहा था। इसमें कुछ ग्राहक और करीब 15 कर्मचारी मौजूद थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

जागरण संपादकीयः समझौते की रूपरेखा

आखिरकार अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनने की घोषणा हो गई। इसी के साथ अनिश्चितता के तमाम बादल छंट गए और यह स्पष्ट हो गया कि जल्द ही दोनों देशों के बीच व्यापार शुरू हो जाएगा। भारत पर अमेरिकी टैरिफ का 25 से 18 प्रतिशत तय हो जाना और रूस से तेल खरीदने के कारण लगाए गए दंडात्मक 25 प्रतिशत टैरिफ का हट जाना राहत की एक बड़ी खबर है। राहत की बात यह भी है कि दोनों देश समझौते को शीघ्र ही अंतिम रूप देने को तत्पर हैं। समझौते की रूपरेखा के अनुसार भारत अमेरिका के सभी औद्योगिक सामानों, सूखे अनाज, पशु आहार के लिए ज्वार, मेवे, प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब, स्पिरिट और अन्य उत्पादों सहित कई प्रकार के खाद्य और कृषि उत्पादों पर शुल्क समाप्त या कम करेगा। इसी तरह अंतरिम समझौते के बाद भारत से अमेरिका निर्यात होने वाली जेनेरिक दवाइयों, रत्न, हीरे, विमान के कल-पुर्जों सहित कई वस्तुओं पर शुल्क शून्य हो जाएगा। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि पहले यह माना जा रहा था कि भारत से निर्यात होने वाली सभी सामग्री पर 18 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। इससे यह भी रेखांकित होता है कि समझौता बराबरी के स्तर पर होने जा रहा है। अमेरिकी टैरिफ में कमी से भारत के कपड़ा, परिधान, चमड़ा, जूते, प्लास्टिक, रबर, जैविक रसायन, घरेलू सजावट, हस्तशिल्प उत्पाद और कुछ मशीनरी के निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। व्यापार समझौते की रूपरेखा यह भी बता रही है कि भारत कृषि और डेरी सेक्टर को संरक्षित करने में सक्षम रहा और वे आशंकाएं सही नहीं थीं कि हमें अमेरिकी दबाव के सामने अपने हितों की अनदेखी करनी पड़ सकती है। इसकी पुष्टि संयुक्त बयान के इस अंश से होती है कि भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कम करने के लिए अमेरिका भारत के अनुरोध पर विचार करेगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि दोनों देश बाजार पहुंच के अवसरों को और बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे। वास्तव में इससे ही दोनों देशों के बीच 2030 तक 500 अरब डालर के व्यापार के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। व्यापार समझौते पर सहमति की जो रूपरेखा सामने आई, वह यह भरोसा दिलाने वाली है कि भारत की निर्यात क्षमता बढ़ेगी और मेक इन इंडिया अभियान को बल मिलेगा। यदि इस अभियान को सचमुच बल मिला तो भारत के तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मार्ग प्रशस्त होगा और साथ ही सप्लाई चेन में भी उसकी भूमिका बढ़ेगी। आज जब दुनिया के प्रमुख देश यह चाहते हैं कि ग्लोबल सप्लाई चेन में भारत बड़ी भूमिका निभाए और चीन के दबदबे को कम करे, तब भारतीय कारोबारियों को विश्व बाजार में अपने बलबूते अपनी जगह बनाने के लिए तैयार रहना होगा।

बंगाल में सनातनी परंपरा का 'बोंगो त्रिवेणी कुंभ' 700 साल बाद फिर शुरू

> *प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि त्रिवेणी की विरासत को फिर से जीवित करने और कुंभ परंपरा को लौटाने के लिए पिछले साल यहाँ कुंभ मेला आयोजित किया गया। सात सौ साल बाद आयोजित यह तीन दिवसीय कुंभ महास्नान और मेला इस क्षेत्र में नई ऊर्जा और जागरूकता लेकर आया।*

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में 700 साल बाद फिर से हिंदुओं का पवित्र 'बोंगो त्रिवेणी कुंभ महोत्सव' फिर से आकार ले रहा है। यह महोत्सव हुगली के बांसबेड़िया क्षेत्र में स्थित 'त्रिवेणी' में आयोजित होगा। इसे प्रयागराज का दक्षिणी रूप कहा जाता है। मान्यता है कि यहाँ गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का संगम होता है। इसी जगह पर 11 से 14 फरवरी 2026 के बीच 'बोंगो त्रिवेणी कुंभ महोत्सव' फिर से हो रहा है। जानकारों के अनुसार हुगली का यह 'दक्षिण प्रयाग' प्राचीन काल से कुंभ स्नान और मेले का केंद्र रहा, लेकिन 1292 ईस्वी में जफर खान गाजी के आक्रमण और मंदिर तोड़ने के बाद करीब 700 साल तक यह परंपरा बंद हो गई थी। बताया जा रहा है साल 2022 में इतिहासकार कंचन बनर्जी, प्रबीर भट्टाचार्य और त्रिवेणी कुंभ मेला समिति के प्रयासों से इसे फिर जीवित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र पीएम मोदी ने 'मन की बात' में और पत्र के जरिए इसकी सराहना की है। पीएम मोदी ने कहा कि यह भारत की सांस्कृतिक विरासत को बचाने का सराहनीय कदम है। दरअसल, ये बात सभी जानते हैं कि बंगाल को ऐतिहासिक रूप से हिंदू विचार, दर्शन और आध्यात्मिक परंपराओं की एक महत्वपूर्ण भूमि माना जाता है। गंगा, ब्रह्मपुत्र डेल्टा क्षेत्र में प्राचीन वैदिक परंपराएँ और स्थानीय लोक आस्थाएँ मिलकर हिंदू धर्म का एक अलग और खास रूप बनाती हैं। 'दक्षिण प्रयाग' कहे जाने के कारण त्रिवेणी में होने वाले धार्मिक स्नान और मेले बहुत पवित्र माने जाते हैं, खासकर कुंभ संक्रांति जैसे शुभ मौकों पर। इस स्थान का संबंध पास के ऐतिहासिक क्षेत्र सप्तग्राम से भी जुड़ा हुआ बताया जा रहा है, जो पहले एक बड़ा धार्मिक और व्यापारिक केंद्र था। वैष्णव विद्वान वृंदावन दास के अनुसार, सप्तग्राम, त्रिवेणी घाट वह पवित्र स्थान है जहाँ सप्तऋषियों ने तपस्या की थी। मान्यता है कि यहाँ स्नान करने से इंसान के पाप धुल जाते हैं। प्रयागराज और पश्चिम बंगाल की त्रिवेणी जैसे पवित्र संगम स्थलों पर सामूहिक स्नान की परंपरा कई सदियों से चली आ रही है। यह भी कहा जाता है कि त्रिवेणी में स्नान करने से इंसान की सोई हुई आध्यात्मिक शक्ति जाग जाती है, ज्ञान की राह खुलती है और मन को शांति व संतुलन मिलता है। यहाँ हर 4 साल में एक बार कुंभ मेला आयोजित किया जाता है। अर्ध कुंभ हर 6 साल में हरिद्वार और प्रयागराज में होता है, जबकि पूर्ण कुंभ हर 12 साल में आयोजित किया जाता है। पूर्ण कुंभ का समय गुरु (बृहस्पति), सूर्य और चंद्रमा की स्थिति के आधार पर तय होता है और यह चार पवित्र स्थानों- प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में से किसी एक जगह पर होता है। महाकुंभ मेला हर 144 साल में एक बार आयोजित होता है। हाल ही में इसका आयोजन 2024 में प्रयागराज में हुआ था जिसे बहुत ऐतिहासिक और खास माना गया। एक समय बंगाल की पवित्र धरती पर भी कुंभ मेला लगता था, लेकिन बार-बार हुए इस्लामी आक्रमणों के कारण यह परंपरा धीरे-धीरे खत्म हो गई और लोगों की यादों से भी मिटती चली गई। स्थानीय इतिहासकार अशोक गांगुली के अनुसार, त्रिवेणी कुंभ मेला और गंगासागर मेले के बीच पुराना ऐतिहासिक संबंध था। पहले के समय में साधु-संत गंगासागर मेला खत्म होने के बाद पैदल चलकर त्रिवेणी आते थे और माघ संक्रांति के दिन स्नान करते थे। त्रिवेणी में इस दिन को 'अनुकुंभ' के रूप में मनाया जाता था। उस दौर में सप्तग्राम और त्रिवेणी शिक्षा, संस्कृति और तीर्थ यात्रा के बड़े केंद्र हुआ करते थे। लेकिन 1292 ईस्वी में इस्लामी शासक जफर खान गाजी ने त्रिवेणी पर हमला किया और इलाके को घेर लिया। इस दौरान कई हिंदुओं की हत्या की गई और पाल वंश काल का एक प्राचीन विष्णु मंदिर तोड़ दिया गया। इसके बाद हिंदुओं की धार्मिक सभाओं और जुलूसों पर रोक लगा दी गई, जिससे त्रिवेणी कुंभ मेले की परंपरा पूरी तरह खत्म हो गई थी। जानकारों के अनुसार 1288 से 1313 ईस्वी के बीच, सप्तग्राम और त्रिवेणी पूरी तरह इस्लामी आक्रमणकारियों के नियंत्रण में आ गए। कई इतिहासकारों का मानना है कि इस समय हिंदू और बौद्ध मंदिरों व मठों को जानबूझकर तोड़ा गया और उनकी जगह मस्जिदें और दरगाहें बनाई गईं। भारतीय पुरातत्वविद राखालदास बनर्जी और प्रणब रॉय के शोध के अनुसार जफर खान गाजी की दरगाह के खंभों और निर्माण में टूटे हुए हिंदू, जैन और बौद्ध मंदिरों की मूर्तियाँ और कलाकृतियों के निशान मौजूद हैं। माना जाता है कि इस क्षेत्र में आखिरी बार कुंभ मेला 1319 ईस्वी में आयोजित हुआ था। इसके बाद लगभग 703 वर्षों तक कुंभ मेला बंद रहा लेकिन 2022 में इस ऐतिहासिक परंपरा को फिर से जीवित किया गया। अमेरिका में रहने वाले इतिहासकार कंचन बनर्जी, कोलकाता के प्रबीर भट्टाचार्य और त्रिवेणी कुंभ मेला समिति के प्रयासों से इस परंपरा को दोबारा शुरू किया गया। संतों के मार्गदर्शन और स्थानीय लोगों के सहयोग से, माघ संक्रांति और भैमी एकादशी के पावन अवसर पर कुंभ मेला और कुंभ स्नान का आयोजन किया गया। इस दौरान त्रिवेणी के साधु-संत सप्तऋषि घाट पर एकत्र हुए, जिसे वह स्थान माना जाता है जहाँ सप्तऋषि मैत्रेय, अत्रि, पुलस्त्य, पुलह, व्यास, वशिष्ठ और विश्वामित्र ने तपस्या की थी। इस आयोजन को 'बोंगो त्रिवेणी कुंभ महोत्सव' नाम दिया गया। 2022 से अब तक यह त्रिवेणी में तीन बार आयोजित हो चुका है। इस मेले के सफल आयोजन में दान देने वालों का सहयोग, आयोजकों की मेहनत और स्थानीय लोगों का उत्साहपूर्ण समर्थन बहुत जरूरी रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 फरवरी 2023 को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 98वें एपिसोड में 'बोंगो त्रिवेणी कुंभ महोत्सव' का खास जिक्र किया था। उन्होंने बताया था कि अमेरिका में रहने वाले कंचन बनर्जी ने उन्हें भारत की सांस्कृतिक विरासत को बचाने से जुड़ी एक महत्वपूर्ण पहल के बारे में जानकारी दी थी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के बांसबेड़िया शहर में त्रिवेणी कुंभ महोत्सव आयोजित किया गया जिसमें 8 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि त्रिवेणी कुंभ महोत्सव इसलिए खास है क्योंकि इसे करीब 700 साल बाद दोबारा शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि यह परंपरा हजारों साल पुरानी है, लेकिन करीब 700 साल पहले यह बंद हो गई थी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आजादी के बाद भी इसे दोबारा शुरू नहीं किया जा सका, लेकिन दो साल पहले स्थानीय लोगों और त्रिवेणी कुंभो परिचालना समिति की कोशिशों से इस महोत्सव को फिर से जीवित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि त्रिवेणी कुंभ महोत्सव से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी जानी चाहिए क्योंकि वे सिर्फ एक पुरानी परंपरा को ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को भी बचा रहे हैं।

● रामस्वरूप रावतसरे

संसदीय हंगामा-सबके लिए आत्मचिंतन का विषय

4 और 5 फरवरी को संसद में जो कुछ हुआ है, वो बहुत शर्मनाक है । ऐसा लगता है कि लगातार तीन लोकसभा चुनावों में हार के बाद विपक्ष बौखला गया है, इसलिए संसद में अराजकता पैदा करके सरकार को परेशान करना चाहता है । संसदीय लोकतंत्र में संसद चलाना सरकार की जिम्मेदारी मानी जाती है, लेकिन विपक्ष के सहयोग के बिना यह संभव नहीं है। विपक्ष पूरी जिम्मेदारी सरकार पर डालकर, संसद में अराजकता फैला रहा है। विपक्ष के हंगामे के कारण प्रधानमंत्री मोदी दूसरे दिन भी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब नहीं दे सके, जिसके कारण यह प्रस्ताव उनके जवाब के बिना ही पास कर दिया गया । 2004 के बाद भारत के संसदीय इतिहास में यह दूसरी बार हुआ है कि भारत के प्रधानमंत्री को संसद में बोलने ही नहीं दिया गया । यह संसदीय परंपरा है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री के जवाब के बाद ही यह प्रस्ताव पारित किया जाता है । परंपरा का टूटना संसदीय गरिमा का गिरना है और इसके बाद सत्तापक्ष और विपक्ष में कटुता पैदा होने वाली है । इस घटना के बाद विपक्ष पर इसका कोई असर होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है । राज्यसभा में जब प्रधानमंत्री मोदी धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे, तो विपक्षी दलों द्वारा हंगामा किया गया और इसके बाद विपक्ष ने प्रधानमंत्री के भाषण का बहिष्कार करते हुए संसद छोड़ दी । सवाल यह है कि इससे विपक्ष को क्या हासिल हुआ । जो बात प्रधानमंत्री ने लोकसभा में कहनी थी, वो बात उन्होंने राज्यसभा में कह दी । प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लोकसभा में जवाब न देने पर विपक्ष ने कहा कि मोदी डरकर भाग गए हैं, लेकिन राज्यसभा में उनके भाषण के दौरान विपक्ष ही सदन छोड़कर भाग गया । विपक्ष को सदन में बैठकर प्रधानमंत्री के जवाब को सुनना चाहिए । इसके बाद ही विपक्ष का हक बनता है कि वो कहे कि मोदी ने उनके सवालों का जवाब नहीं दिया । इस बार सत्र की शुरूआत से ही संसद में जैसे दृश्य देखने को मिले हैं, उससे संसद की गरिमा के गिरते स्तर का अंदाजा लगाया जा सकता है।

★ राजेश कुमार पासी

गाजियाबाद की यह ... — बाबूलाल नागा

गाजियाबाद की घटना ने खोली आंखें

डिजिटल युग में जहां मोबाइल फोन बच्चों की पढ़ाई, खेल और मनोरंजन का साधन बन चुका है, वहीं इसी चमकदार स्क्रीन के पीछे छिपा अंधेरा अब मासूम जिंदगियों को निगलने लगा है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से सामने आई तीन नाबालिग बच्चियों की आत्महत्या की घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। गाजियाबाद में 3 बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। पहले सामने आया कि उन्होंने कोरियन गेम खेलने के दौरान टास्क पूरा करते हुए मौत को गले लगाया मगर 10 घंटे की छानबीन के बाद पता चला कि पिता चेतन ने बच्चों को डांटा था। मोबाइल भी छीन लिया था। इसके बाद उन्होंने 3 फरवरी की रात 2 बजे बालकनी से कूदकर सुसाइड कर लिया। निशिका 16 साल, प्राची 14 साल जबकि पाखी 12 साल की थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह दुखद कदम कथित तौर पर एक कोरियन ऑनलाइन गेम के प्रभाव में उठाया गया जिसने बच्चों के मानसिक संतुलन, भावनात्मक सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि लंबे समय से मोबाइल फोन के माध्यम से एक विशेष ऑनलाइन गेम से जुड़ी हुई थीं। यह गेम धीरे-धीरे बच्चों को आभासी दुनिया में इस कदर जकड़ लेता है कि वास्तविक जीवन, परिवार और भविष्य सब पीछे छूट जाता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन हरकत में आया। पुलिस ने बच्चियों के मोबाइल फोन, सोशल मीडिया अकाउंट और गेमिंग हिस्ट्री की जांच शुरू कर दी है। साइबर विशेषज्ञों की मदद से यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर गेम में ऐसा क्या था जिसने तीन मासूम जिंदगियों को इस हद तक प्रभावित कर दिया। हालांकि जांच अभी जारी है, लेकिन यह साफ है कि मामला केवल एक परिवार या एक शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की समस्या बन चुका है। यह घटना अभिभावकों की भूमिका पर भी सवाल उठाती है। आज के समय में माता-पिता बच्चों को मोबाइल फोन तो थमा देते हैं लेकिन यह जानने की कोशिश नहीं करते कि बच्चे किस तरह के कंटेंट से जुड़ रहे हैं। लंबे समय तक स्क्रीन पर रहना, अकेलेपन में गेम खेलना और वास्तविक संवाद की कमी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित कर रही है। कई बार बच्चे अपने डर, असफलता या मानसिक दबाव को माता-पिता से साझा नहीं कर पाते और अंदर ही अंदर टूटते चले जाते हैं। शिक्षाविदों और मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि नाबालिग बच्चे कल्पना और वास्तविकता के अंतर को पूरी तरह समझ नहीं पाते। जब किसी गेम में उन्हें डराया जाता है, धमकाया जाता है या चुनौती के नाम पर मानसिक दबाव डाला जाता है, तो वे उसे सच मान बैठते हैं। ऐसे में बच्चों में भय, तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि की भावना पैदा होती है, जो खतरनाक रूप ले सकती है। सरकार और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी भी इस मामले में कम नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री पर सख्त निगरानी, उम्र के अनुसार कंटेंट की स्पष्ट श्रेणी, पैरेंटल कंट्रोल और खतरनाक गेम्स पर समय रहते प्रतिबंध अब अनिवार्य हो गया है। केवल चेतावनी जारी करना काफी नहीं बल्कि प्रभावी कानून और उनका सख्त पालन जरूरी है। गाजियाबाद की यह घटना पूरे समाज के लिए एक आईना है। यह हमें याद दिलाती है कि तकनीक सुविधा है, लेकिन बिना नियंत्रण के वही तकनीक विनाश का कारण बन सकती है। बच्चों के साथ संवाद, उनका विश्वास जीतना, उनकी ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखना और समय रहते उनकी भावनात्मक स्थिति को समझना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। तीन मासूम बच्चियों की मौत केवल एक खबर नहीं, बल्कि एक चीख है—जो हमसे पूछ रही है कि क्या हम अपने बच्चों को सचमुच सुरक्षित भविष्य दे पा रहे हैं? अगर अब भी समाज, सरकार और अभिभावक नहीं चेते, तो ऐसी त्रासदियां दोहराई जाती रहेंगी।

राहुल गांधी ने ... — राजेश श्रीवास्तव

हंगामे के बीच गहराता जा रहा संसदीय परंपराओं पर संकट

बीते दिनों संसद को ऐसा दिन भी देखना पड़ा जब विपक्ष की नारेबाजी और वॉकआउट के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण पर जवाब दिया और उससे पहले लोकसभा में भारी शोर-शराबे के बीच उनके भाषण के बगैर ही धन्यवाद प्रस्ताव पारित हो गया, यह शायद 2004 के बाद पहला मौका था। सरकार और विपक्ष के बीच यह तनातनी संसदीय लोकतंत्र की परंपराओं और गरिमा के लिहाज से अत्यंत क्षोभजनक और चिंताजनक भी है। संसद का मौजूदा बजट सत्र टकराव और नैरेटिव गढ़ने की जंग का मैदान बन गया है। राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा पूर्व सेना अध्यक्ष एम.एम. नरवणे की एक अप्रकाशित पुस्तक का जिक्र करने से सदन में भारी हंगामा हुआ। गतिरोध पूरे हफ्ते चलता रहा। सत्ता पक्ष और विपक्ष ने अपने-अपने राजनीतिक फायदे के हिसाब से पूरे मुद्दे को भुनाने की कोशिश की। जब नाम के साथ गांधी सरनेम जुड़ जाता है तो उस नाम की एरोगेंस का लेवल डिफरेंट हो जाता है। हर संसद सत्र में वो एक मुद्दा दे देते हैं। वो पत्रकारों को विषय देते हैं और सरकार को भी व्यस्त रखते हैं। खबरों में बने रहने का जो इनकी नई कला है वह लेफ्ट से आई है। कांग्रेस अब 'सेंटर' की अपनी ताकत खो चुकी है और राहुल गांधी के नेतृत्व में केवल हेडलाइंस बनाने के लिए मानो लेफ्ट की वैचारिक जमीन पर खड़ी है। संसद एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां पर पूरे देश के अंदर संदेश दे सकते हैं और राजनीति चलती ही नैरेटिव पे है। अगर कोई मुद्दा राहुल गांधी उठाते हैं तो उसे सुना तो जाना चाहिए। राहुल के मुद्दे सत्ता पक्ष को एक डिफेंसिव ग्राउंड पर ले जाते हैं। राहुल जिस तरह की राजनीति करते हैं, वो जिस तरह के मुद्दे उठाते हैं, उस पर विवाद होते रहते हैं। जहां तक नियम का सवाल रहा तो ऐसे बहुत से उदाहरण हैं जहां राहुल को नियमों के होते हुए भी रोक दिया जाता है। ये सही है कि राहुल को नियम के तहत ही मुद्दों को उठाना चाहिए। राहुल गांधी एक नरेटिव गढ़ने को कोशिश कर रहे हैं, राहुल पॉलिटिक्स के अंदर कमबैक करने की कोशिश कर रहे हैं... वो अपनी बात को सीधे-सीधे व्यक्त करने की कोशिश करते हैं जिसमें लाग-लपेट नहीं होती। संसदीय बहस में हमें यह तय करना होगा कि काउंटर करने का स्तर क्या हो। राहुल ने अपनी तरफ से कुछ नहीं गढ़ा। उन्होंने वही पढ़ा जो पब्लिकेशन में था। सत्ता ये सोचती है कि वो ऑल पावरफुल है... जब आप यह मानने लगते हैं कि आप ही सही हैं, वहां समस्या आती है। निशिकांत दुबे काउंटर करने के लिए व्यक्तिगत जीवन को लेकर आए। व्यक्तिगत आक्षेप नहीं होने चाहिए। संसद एक ऐसा फोरम है जहां आप एग्जिक्यूटिव की आलोचना कर सकते हैं। संविधान में ये चीजें इसीलिए बनाई गई। संसद को भी आप नहीं चाहते कि संसद भी संसद की तरह रहे और अपोजिशन वहां सवाल करे। अगर इस बात को सत्ता पक्ष सुनता और उसका जवाब देता तो ये आया गया हो जाता। राहुल गांधी ने नरवड़े जी की किताब से वही सुविधाजनक तथ्य उठाए हैं जिससे उनका यह तर्क मजबूत हो सके कि भारत सरकार सुरक्षा के मामले में कमजोर है।

जरा हटके

दोनों घटनाओं में ... — ललित गर्ग

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है। प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है। दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी। इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं, मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है। हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता। दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं। भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं। यदि भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित होता तो शायद उसे पहचानना आसान होता, लेकिन यह जो संवेदन-हीन भ्रष्टाचार है, जहां नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और समय पर काम पूरा न करना शामिल है, यह ज्यादा खतरनाक है। इसमें पैसा दिखता नहीं, लेकिन इसकी कीमत किसी की जान से चुकानी पड़ती है। आज जब हम अमृत काल और शताब्दी वर्ष में नए भारत की कल्पना कर रहे हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो जाता है कि क्या खुले गड्ढों वाला देश महान बन सकता है। क्या वह देश विकसित कहलाने योग्य है, जहां नागरिक रात को सड़क पर निकलते समय यह दुआ करे कि कहीं कोई गड्ढा उसकी जिंदगी न छीन ले। विकास केवल पुलों, सड़कों और इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि आम आदमी खुद को कितना सुरक्षित महसूस करता है। यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं, तो सारी उपलब्धियां खोखली हैं। गड्ढों में गिरी व्यवस्था केवल सड़कों की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन तंत्र की नैतिक गिरावट का प्रतीक है। यह उस दूरी को दिखाता है जो सत्ता और नागरिक के बीच बढ़ती जा रही है। जब तक हर गड्ढे को सिर्फ तकनीकी खामी समझा जाएगा और हर मौत को दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं। जरूरत इस बात की है कि हर गड्ढा एक सवाल बने, हर मौत एक चेतावनी और हर लापरवाही एक अपराध मानी जाए। कब वे गड्ढे भरेंगे, कब व्यवस्था की दरारें बंद होंगी और कब विकास की दौड़ में भागता देश यह भरोसा पाएगा कि वह सुरक्षित हाथों में है, यह सवाल आज हर नागरिक के मन में है। शायद उस दिन हम सचमुच कह सकेंगे कि हमारा देश महान बनने की राह पर है। अभी तो लगता है कि हम महान नहीं, बल्कि परेशान हैं और यह परेशानी सिर्फ गड्ढों की नहीं, गड्ढों में गिरती संवेदनाओं की है।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंदों में 84 रन बनाकर टीम को 161 रन तक पहुंचाया और जीत सुनिश्चित की

अक्षर ने वानखेड़े पिच को बताया चुनौतीपूर्ण

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान अक्षर पटेल ने वानखेड़े स्टेडियम की पिच को लेकर अपनी हैरानी जताई। शनिवार को मुंबई में भारत और अमेरिका के बीच खेले गए टी20 विश्व कप के मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी सामान्य स्तर से नीचे रही, जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ही शानदार नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। अक्षर पटेल ने मैच के बाद कहा कि मुंबई की पिच आम तौर पर सपाट होती है और हाई स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिलते हैं। लेकिन इस बार पिच की गुणवत्ता ने टीम को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया कि टीम पहले बल्लेबाजी करने के बावजूद चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने को लेकर आश्वस्त थी, लेकिन विकेट का व्यवहार उम्मीद के अनुसार नहीं था। हमें लगा था कि मुंबई की पिच सपाट होगी, लेकिन इसका अलग तरह से व्यवहार देख हम थोड़े हैरान थे, अक्षर ने कहा। अक्षर ने यह भी बताया कि टीम ने मैच की स्थिति के अनुसार अपनी योजना बनाई। शुरुआती तीन ओवरों में यह तय करना चुनौतीपूर्ण था कि अच्छा स्कोर क्या होगा। अक्षर ने आगे कहा कि टीम के लिए यह अनुभव महत्वपूर्ण है। पिच के व्यवहार को समझना और मैच की स्थिति के अनुसार रणनीति बदलना जरूरी है। उनके अनुसार, अगर बल्लेबाज सही समय पर खेलते हैं तो टीम अपेक्षित स्कोर तक पहुंच सकती है। विकेट की प्रकृति को समझना महत्वपूर्ण है। जिस तरह का क्रिकेट हम खेल रहे हैं, उसमें हर शॉट पर ध्यान देना होगा। भारतीय टीम अब अगले मुकाबलों के लिए इस अनुभव का फायदा उठाने की तैयारी में है और कोशिश करेगी कि आगामी मैचों में टीम की बल्लेबाजी और भी मजबूत हो।

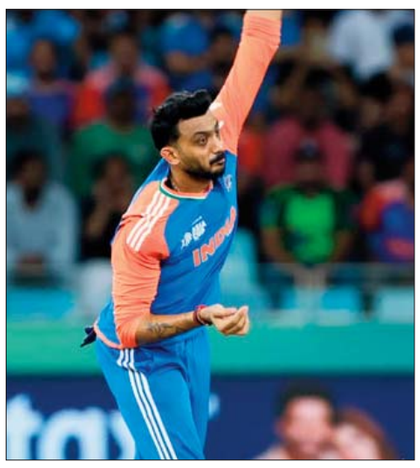

सूर्यकुमार यादव की धमाकेदार पारी ने बचाई टीम

भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 77 रन पर छह विकेट गंवा दिए, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंदों में 84 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को 161 रन पर नौ विकेट तक पहुँचाया। जवाब में अमेरिका की टीम 132 रन पर ऑल आउट हो गई और भारत ने 29 रनों से जीत दर्ज की। अक्षर पटेल ने कहा कि बल्लेबाजी क्रम के जल्दी गिरने से ड्रेसिंग रूम में दबाव महसूस हुआ। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पहला मैच होने के कारण यह अनुभव टीम के लिए सीखने वाला साबित होगा। क्रिकेट में दबाव तो होता है। यह अच्छा है कि यह पहले मैच में हुआ। हमें अब पता है कि अगर फिर ऐसा विकेट मिला, तो हम 160-170 रन तक स्कोर ले जाने का अनुभव रखेंगे।

ड्रेसिंग रूम में बढ़ गई थी चिंता

अक्षर ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में थोड़ा दबाव महसूस हुआ क्योंकि बल्लेबाजी क्रम ढह गया और वह भी टी20 विश्व कप के पहले मैच में। उन्होंने कहा,बेशक आप इसे (दबाव को) महसूस करते हैं। क्रिकेट ऐसा ही है (लेकिन फिर) यह अच्छा है कि यह पहले मैच में हुआ। विकेट की प्रकृति को समझना महत्वपूर्ण है और जिस तरह का क्रिकेट हम खेल रहे हैं, हम शॉट को ठीक से नहीं खेल पाए। अगर ऐसा दोबारा होता है तो हमारे पास इसे 160-170 रन तक ले जाने का अनुभव होगा। हमें अब पता है कि अगर फिर ऐसा विकेट मिला, तो हम 160-170 रन तक स्कोर ले जाने का अनुभव रखेंगे।

टी-20 वर्ल्डकप में भारत-पाकिस्तान मैच की उम्मीद जगी

श्रीलंका क्रिकेट ने कहा- हमें रेवेन्यू में नुकसान होगा

मुंबई, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर उम्मीद जगी है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (SLC) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) से इस मैच पर दोबारा विचार करने की अपील की है। PCB 15 फरवरी को होने वाले इस हाई-वोल्टेज मुकाबले के बहिष्कार के फैसले पर सरकार से बातचीत करेगा। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने PCB से कहा ने कहा, 'हम भारत के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट को होस्ट कर रहे हैं। अगर भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होता है तो हमें रेवेन्यू में भारी नुकसान होगा।" दरअसल पाकिस्तान सरकार ने एक फरवरी को PCB को टूर्नामेंट में टीम भेजने की मंजूरी तो दे दी थी, लेकिन भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। भारत-PAK मैच ICC और ब्रॉडकास्टर्स के लिए सबसे बड़ा कमर्शियल मुकाबला माना जाता है, ऐसे में अब इस पर दोबारा बातचीत की संभावना बन गई है। इस मुद्दे को लेकर श्रीलंका क्रिकेट ने PCB को मेल लिखा है। इसमें कहा गया है कि भारत-पाक मैच नहीं होने से श्रीलंका क्रिकेट को आर्थिक नुकसान होगा और टूर्नामेंट की इमेज को भी नुकसान होगा। श्रीलंका इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारत के साथ मिलकर कर रहा है। पाकिस्तान-श्रीलंका के बीच सरकार और क्रिकेट स्तर पर हमेशा अच्छे रिश्ते रहे हैं, इसलिए PCB इस अपील को नजरअंदाज नहीं कर सकता। PCB चीफ मोहसिन नकवी से श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शमी सिल्वा ने संपर्क किया। उन्होंने कहा- भारत-PAK मैच नहीं होने पर टिकट बिक्री और हॉस्पिटैलिटी से होने वाली अतिरिक्त कमाई भी खत्म हो जाएगी।

फास्ट न्यूज

'हेरा फेरी 3' एक बार फिर मुश्किल में

नई दिल्ली। बॉलीवुड की प्रतीक्षित कॉमेडी फिल्म 'हेरा फेरी 3' फिर से सुर्खियों में आ गई है, लेकिन इस बार वजह है कानूनी झगड़ा और राइट्स विवाद। साउथ फिल्म निर्माता सेवन आर्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने दावा किया है कि फिल्म के राइट्स असल में उनके पास हैं, न कि निर्माता फिरोज नाडियाडवाला के। इस बात को लेकर उन्होंने मद्रास हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

बांग्लादेश को 35 साल बाद नया पीएम मिलेगा

ढाका। बांग्लादेश में 12 फरवरी को संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। 1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में इन दो नेताओं का दबदबा रहा। ऐसे में 35 साल बाद देश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं दी गई है। चुनाव आयोग का कहना है कि 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पार्टी की भूमिका की वजह से यह फैसला लिया गया है। अल जजीरा के मुताबिक एक्सपर्ट्स का कहना है कि बांग्लादेश के ये चुनाव सिर्फ देश की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया की डिप्लोमेसी और पावर बैलेंस को बदल सकते हैं। इसलिए भारत, पाकिस्तान और चीन भी इन चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं।

आय फाइनेंस का आईपीओ आज से ओपन होगा

मुंबई। गुरुग्राम बेस्ड नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (NBFC) आय फाइनेंस अपना IPO लेकर आ रही है। पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए यह इश्यू 9 फरवरी को खुलेगा और निवेशक 11 फरवरी तक इसमें बोली लगा सकेंगे। कंपनी इस इश्यू के जरिए 1,010 रुपए जुटाना चाहती है। IPO के आधिकारिक तौर पर खुलने से पहले कंपनी ने 6 फरवरी को एंकर निवेशकों के जरिए 454.5 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं।

एक्टर सुनील थापा के निधन पर भावुक हुईं प्रियंका चोपड़ा

कहा- जब मैंने पिता को खोया, तब आपने संभाला

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म मैरी कॉम और सीरीज द फैमिली मैन-3 में नजर आ चुके एक्टर सुनील थापा का 6 फरवरी को 68 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलने के बाद मैरी कॉम एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भावुक हो गईं। उन्होंने बताया है कि जब उनके पिता का निधन हुआ, तब सुनील थापा ने उन्हें संभाला था। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में फिल्म मैरी कॉम के कुछ सीन्स का वीडियो शेयर कर भावुक होकर लिखा है, आप हमेशा मेरे कोच सर रहेंगे। जब मैंने अपने पिता को खो दिया था, तब आपने मुझे संभाला। आपने मुझे प्यार दिया और कई कठिन दिनों में मेरा साथ दिया, बिना यह जाने कि आप मेरे लिए कितने मायने रखते थे। आपकी गर्मजोशी भरी झप्पी और आपकी हंसी हमेशा मेरी यादों का हिस्सा रहेंगी। आगे प्रियंका ने लिखा है, 'बहुत कम उम्र में चले गए, लेकिन कभी भुलाए नहीं जाएंगे। उस समय आपकी दयालुता के लिए धन्यवाद, जब मैं पूरी तरह टूट चुकी थी। शांति से विश्राम करें, सुनील थापा। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं परिवार और प्रियजनों के साथ हैं।' एक्टर सुनील थापा के निधन का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया जा रहा है। काठमांडू पोस्ट के अनुसार, नॉर्विक अस्पताल के चेयरपर्सन राजेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि सुनील थापा को बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। शुक्रवार सुबह 7:44 बजे किए गए ईसीजी में उनकी मौत की पुष्टि हुई।

कोर्ट ने खारिज की हुसैन उस्तरा की बेटी का याचिका, आरोप था- फिल्म से हुआ निजता का उल्लंघन

नहीं टलेगी शाहिद की फिल्म ओ रोमियो

मुंबई, एजेंसी

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म ओ रोमियो की के खिलाफ हुसैन उस्तरा की बेटी ने एक याचिका दायर की थी। उन्होंने फिल्म की रिलीज रोके जाने की मांग की थी, हालांकि बॉम्बे सिटी सिविल कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी है, जिसके बाद अब ये फिल्म तय तारीख पर ही रिलीज होगी। 7 फरवरी को गैंगस्टर हुसैन शेख की बेटी की याचिका पर सुनवाई हुई। उन्होंने याचिका में कहा था कि फिल्म के जरिए उनके पिता की निजता और प्रतिष्ठा का उल्लंघन किया गया है। हालांकि कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि निजता का अधिकार व्यक्तिगत होता है और किसी व्यक्ति के निधन के बाद ये अधिकार खत्म हो जाता है। इसे परिवार की विरासत के तौर पर नहीं देखा जा सकता है।

"कोर्ट ने ये भी कहा कि मेकर्स की तरफ से फिल्म में एक डिस्क्लेमर दिया गया है, जिससे ये साफ है कि फिल्म फिक्शनल है और उसके पात्र भी काल्पनिक हैं। फिल्म के किरदारों की किसी असल व्यक्ति से समानता महज एक संयोग है। फिल्म ओ रोमियो पॉपुलर राइटर हुसैन जैदी की बुक माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई पर आधारित है, जिसमें शाहिद कपूर मशहूर गैंगस्टर हुसैन उस्तरा के किरदार में हैं।"

13 फरवरी को रिलीज होगी फिल्म ओ रोमियो

बता दें कि फिल्म ओ रोमियो 13 फरवरी को रिलीज होने के लिए शेड्यूल है। फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है, जो इससे पहले कमीने, हैदर, मकबूल, ओमकारा, 7 खून माफ जैसी फिल्में बना चुके हैं। इस फिल्म में शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी लीड रोल में हैं, जबकि नाना पाटेकर, फरीदा जलाल, तमन्ना भाटिया, अविनाश तिवारी भी अहम किरदारों में हैं।

कोर्ट का सवाल- रिलीज से ठीक पहले क्यों हुई रोके जाने की मांग

कोर्ट ने शिकायतकर्ता पक्ष से साफ कहा है कि फिल्म ओ रोमियो को अनाउंसमेंट 2024 में हुई थी। तब से लेकर अब तक इस पर आपत्ति नहीं जताई गई। तो रिलीज से ठीक पहले क्यों। इस तरह की याचिका से मेकर्स और फिल्ममेकिंग से जुड़े लोगों को बड़ा आर्थिक नुकसान पहुंच सकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी कार्यक्रम में पहुंचे सलमान खान

मुंबई में आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के संबोधन के दौरान दिखे बॉलीवुड सुपरस्टार

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान गुरुवार को मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के शताब्दी समारोह के तहत व्याख्यानमाला कार्यक्रम में शामिल हुए। यह कार्यक्रम संघ की 100 वर्षों की यात्रा, उसकी वैचारिक पृष्ठभूमि और भविष्य की दिशा पर केंद्रित है। नेहरू सेंटर ऑडिटोरियम में आयोजित "100 Years of Sangh Journey: New Horizons" कार्यक्रम में सलमान खान की मौजूदगी ने सभी का ध्यान खींचा। डार्क ब्लू शर्ट में कूल अंदाज में सलमान की एंट्री को मीडिया कैमरों और कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने खास तौर पर नोटिस किया। कार्यक्रम के पहले सत्र में RSS प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने संघ की 100 साल पुरानी यात्रा, सामाजिक भूमिका और

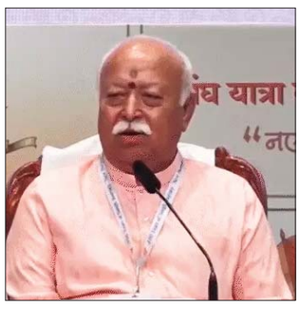

विचारधारा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य किसी के विरोध में नहीं, बल्कि देश और समाज के विकास के लिए समर्पित है। RSS की ओर से इस व्याख्यानमाला के लिए कुल 1208 अतिथियों को आमंत्रण भेजा गया था, जिनमें से 850 से अधिक विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर समाज, संस्कृति, राजनीति और कला जगत से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। समारोह में रणबीर कपूर, फिल्म निर्माता सुभाष घई और गीतकार-कवि प्रसून जोशी भी शामिल हुए। RSS के इस दो दिवसीय कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता, विचारक और आम नागरिकों की भागीदारी देखने को मिली। यह आयोजन RSS के शताब्दी वर्ष की प्रमुख गतिविधियों में से एक है, जिसका उद्देश्य संगठन के इतिहास, वैचारिक सोच और आने वाले वर्षों के एजेंडे पर व्यापक विमर्श करना है। RSS की ओर से इस व्याख्यानमाला के लिए कुल 1208 अतिथियों को आमंत्रण भेजा गया था, जिनमें से 850 से अधिक विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर समाज, संस्कृति, राजनीति और कला जगत से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं।

अक्षय की 'भूत बंगला' की रिलीज डेट बदली

बड़े क्लैश से बचने के लिए अब फिल्म 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

मुंबई, एजेंसी

अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज डेट में बदलाव किया गया है। पहले यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे प्रीपोन कर 10 अप्रैल 2026 कर दिया गया है। यानी दर्शकों को अक्षय कुमार की इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म के लिए अब एक महीने कम इंतजार करना होगा। फिल्म की रिलीज डेट आगे खिसकाने के पीछे मेकर्स की एक सोची-समझी रणनीति बताई जा रही है। अप्रैल का महीना थिएट्रिकल रिलीज के लिहाज से बेहतर माना जाता है, क्योंकि इस दौरान बड़े क्लैश कम होते हैं और दर्शकों की भीड़ ज्यादा देखने को मिलती है। इसके अलावा, साल 2026 में अक्षय कुमार की कई फिल्में लाइनअप में हैं, ऐसे में मेकर्स चाहते हैं कि हर फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर पूरा और सही स्पेस मिले।

प्रियदर्शन के निर्देशन में बनेगी फिल्म

फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं, जो पहले भी अक्षय कुमार के साथ कई सुपरहिट कॉमेडी फिल्में दे चुके हैं। इस वजह से 'भूत बंगला' को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट पहले से ही काफी ज्यादा है। फिल्म को बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स मिलकर प्रेजेंट कर रहे हैं।

अक्षय कुमार करेंगे सालभर एंटरटेन

अक्षय कुमार लंबे समय से लगातार फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते आ रहे हैं। 'भूत बंगला' को भी उनकी एक मजबूत जॉनर फिल्म माना जा रहा है, जिसमें हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का देखने को मिलेगा। फिल्म की रिलीज डेट को प्रीपोन करने का फैसला इसी सोच के साथ लिया गया है कि दर्शकों को साल की शुरुआत में ही एक बड़ा एंटरटेनर मिल सके। 'भूत बंगला' को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता कपूर ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

'भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। खास बात यह है कि परेश रावल और राजपाल यादव जैसे कलाकारों की मौजूदगी से फिल्म में कॉमेडी का लेवल और भी ऊंचा होने की उम्मीद है। अब देखना दिलचस्प होगा कि 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली 'भूत बंगला' और क्या अक्षय कुमार एक बार फिर दर्शकों को हंसी और डर कामयाब होते हैं।

आशंका : 465 में से 300 सीटें मिलने की उम्मीद, ट्रम्प ने भी समर्थन दिया

हारी तो इस्तीफा दे दूंगी : पीएम ताकाइची

टोक्यो, एजेंसी

जापान में रविवार को लोअर हाउस के लिए मतदान शुरू हो गया है, जिसमें प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बड़ी जीत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, देश के कई हिस्सों में बर्फबारी के कारण मतदान प्रतिशत घटने की आशंका जताई जा रही है। यहां रविवार को 27 से 28 इंच तक बर्फबारी होने का अनुमान है। ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने अक्टूबर में पद संभाला था। ओपिनियन पोल के अनुसार, उनकी कंजर्वेटिव गठबंधन (लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और जापान इनोवेशन पार्टी) को संसद के निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) की 465 सीटों में से 300 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। फिलहाल गठबंधन के पास 233 सीटें हैं, और अगर यह 310 सीटें जीत लेता है तो ऊपरी सदन में विपक्ष के नियंत्रण के बावजूद कानून पास करने की ताकत मिल जाएगी। ताकाइची ने कहा है कि अगर गठबंधन बहुमत खो देता है तो वह इस्तीफा दे देंगी। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी ताकाइची को समर्थन जता चुके हैं। ताकाइची ने चीन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाते हुए सैन्य खर्च बढ़ाया है, आर्थिक पैकेज और टैक्स कटौती की घोषणा की है। उन्होंने खाद्य पदार्थों पर 8% सेल्स टैक्स को दो साल के लिए निलंबित करने का वादा किया है ताकि बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत मिले।

जापान में बर्फबारी से मतदान घटने का अनुमान

उधर, रविवार को उत्तरी और पूर्वी जापान में 70 सेंटीमीटर तक बर्फबारी का अनुमान है। निआगाता प्रांत के नागाओका जैसे इलाकों में सड़कों के किनारे एक मीटर से ज्यादा बर्फ जमी हुई है। ऐसे में कई मतदाताओं के लिए घर से निकलना मुश्किल हो सकता है। जापानी कम्युनिस्ट पार्टी के स्वयंसेवक ताकेहिको इगाराशी के मुताबिक, उनकी पार्टी समर्थकों को फोन कर रही है।

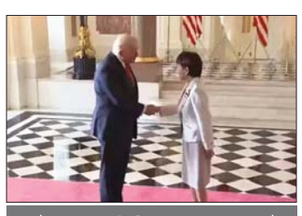

सोशल मीडिया पर साने ताकाइची का क्रेज बढ़ा

सोशल मीडिया पर साने ताकाइची को लेकर 'सानाकात्सु' नाम का ट्रेंड भी चर्चा में है। इसमें उनके इस्तेमाल किए गए सामान, जैसे हैंडबैग और संसद में इस्तेमाल किया जाने वाला गुलाबी पेन, युवाओं के बीच लोकप्रिय हो गए हैं। एक हालिया सर्वे में 30 साल से कम उम्र के 90% से ज्यादा मतदाताओं ने ताकाइची के पक्ष में रुझान दिखाया, हालांकि यह वर्ग आमतौर पर कम मतदान करता है।

नए इनकम टैक्स नियमों का ड्राफ्ट जारी

नई दिल्ली। इनकम टैक्स विभाग ने शनिवार को 'इनकम टैक्स रूल्स, 2026' का नया ड्राफ्ट जारी कर दिया है। ये नए नियम अगले फाइनेंशियल ईयर यानी 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे। सरकार का मकसद टैक्स फाइलिंग की प्रक्रिया को सरल बनाना और आम टैक्स पेयर्स के लिए नियमों को आसान बनाना है। नए प्रस्तावित ड्राफ्ट में नियमों और फॉर्म की संख्या में भी कटौती की गई है। अभी तक लागू 'इनकम टैक्स रूल्स, 1962' में कुल 511 नियम और 399 फॉर्म थे। नए ड्राफ्ट में इन्हें घटाकर अब सिर्फ 333 नियम और 190 फॉर्म कर दिया गया है। विभाग ने उन प्रावधानों को हटा दिया है जिनकी अब जरूरत नहीं थी और कई मिलते-जुलते नियमों को आपस में जोड़ दिया है। इससे टैक्स सिस्टम की जटिलता कम होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण के दौरान कहा था कि इनकम टैक्स के नियमों और फॉर्म को सरल बनाया जाएगा ताकि आम नागरिक बिना किसी परेशानी के खुद इनका पालन कर सकें। नए ड्राफ्ट में फॉर्म को दोबारा डिजाइन किया गया है।

एसबीआई का मुनाफा 13% बढ़कर ₹21,317 करोड़

तीसरी तिमाही में टोटल इनकम ₹1.85 लाख करोड़ रही

मुंबई, एजेंसी

देश के सबसे बड़े सरकारी लेंडर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में 21,317 करोड़ रुपए का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ। सालाना आधार पर यह 13% बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में SBI को 18,853 करोड़ का मुनाफा हुआ था। अक्टूबर-दिसंबर (Q3FY26) तिमाही में स्टेट बैंक की टोटल इनकम 1.85 लाख करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 1.67 लाख करोड़ रुपए थी। सालाना आधार पर यह 11% बढ़ी है। वहीं तीसरी तिमाही में SBI की इंटरेस्ट अर्निंग 1.30 लाख करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 1.24 लाख करोड़ रुपए थी। सालाना आधार पर यह 5% बढ़ी है। तीसरी तिमाही (Q3FY26) के दौरान बैंक का स्टैंडअलोन नेट NPA यानी नॉन परफॉर्मिंग एसेट 16% कम होकर 18,012 करोड़ रुपए रह गया है। अक्टूबर-दिसंबर 2025 के दौरान यह 21,377 करोड़ रुपए था। कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक सेगमेंट या यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि, कंसॉलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है। NPA यानी नॉन-परफॉर्मिंग असेट एक ऐसा बैंक लोन या क्रेडिट होता है, जिसका भुगतान उधार लेने वाला व्यक्ति या संस्था समय पर नहीं कर पाता। आसान भाषा में, अगर कोई व्यक्ति या कंपनी बैंक से लिया गया कर्ज (लोन) की किस्त या ब्याज 90 दिन या उससे ज्यादा समय तक नहीं चुकाता, तो वह लोन NPA बन जाता है। इससे बैंक को नुकसान होता है, क्योंकि उस पैसे की वसूली मुश्किल हो जाती है। मान लीजिए, आपने बैंक से 10 लाख का लोन लिया और 3 महीने से ज्यादा समय तक उसकी EMI नहीं भरी, तो वह लोन NPA माना जाएगा।

बीबीडी थाने पर धरने पर बैठीं सपा पार्षद ममता

बोलीं- विधायक बेदी राम के खिलाफ हो एफआईआर, वरना हटेंगी नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा पार्षद ममता रावत अपने समर्थकों के साथ बीबीडी थाने पर धरना शुरू कर दिया है। वह सुभासपा विधायक बेदी राम पर मुकदमा नहीं दर्ज होने को लेकर आक्रोशित हैं। उन्होंने साफ कह दिया है कि जब तक विधायक के खिलाफ मुकदमा नहीं दर्ज हो जाएगा, थाने से नहीं हटेंगी। उनके समर्थकों में भी भारी आक्रोश है। वे विधायक बेदी राम मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। समर्थकों का कहना है टेंट मंगवाकर धरना देंगे। इससे थाने पर गहमागहमी की स्थिति बनी हुई है। वहीं, नगर निगम की ओर से भी आज विधायक बेदी राम के खिलाफ शिकायत दी जा सकती है। ममता चौधरी के समर्थक बीबीडी थाने पर पहुंचे। विधायक बेदी राम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। 6 फरवरी को बेदीराम का एक वीडियो सामने आया था। आरोप है कि इस वीडियो में

- पार्षद ममता चौधरी अपने समर्थकों के साथ थाने पर धरने पर बैठ गई हैं।
- ममता चौधरी के समर्थक विधायक बेदी राम मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं।
- ममता चौधरी के समर्थक बीबीडी थाने पर पहुंचे। विधायक बेदी राम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

एफआईआर कराऊंगी और धरना भी दूंगी

ममता चौधरी ने इस प्रकरण को लेकर काफी आक्रोश हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा- विधायक बेदी राम ने मुझे गालियां दी हैं। मैं इसकी FIR कराउंगी। कार्रवाई नहीं होने पर धरना दूंगी। विधायक का यह अधिकार नहीं है कि एक महिला पार्षद को गालियां दें। गोमतीनगर के भरवारा के गंगोत्री विहार फेज-टू में नाले पर अवैध कब्जे को लेकर विवाद चल रहा है। यहां सुभाषपा विधायक बेदीराम का मैरिज हॉल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विधायक ने नाले की जमीन पर कब्जा कर रखा है।

विधायक फोन पर लेखपाल कौशल को डांट-फटकार रहे हैं। कह रहे हैं कि तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई, वहां जाने की? नौकरी करना मुश्किल कर दूंगा। इस पर जब लेखपाल स्थानीय महिला पार्षद ममता चौधरी के कहने पर कार्रवाई की बात कहते हैं तो विधायक महिला पार्षद को भी गालियां देते हैं। लेखपाल कौशल ने पुलिस से शिकायत कर मुकदमा दर्ज कराने की बात कही थी। वहीं, विधायक बेदीराम ने सभी आरोपों को नकारा था। उनका कहना है कि हमने अपने बच्चों से बात की थी। नगर आयुक्त ने कार्रवाई रुकवाई थी, हमने नहीं।

शनिवार को दी थी शिकायत

सपा पार्षद ममता रावत ने 7, फरवरी, शनिवार को विधायक बेदी राम के खिलाफ बीबीडी थाने में शिकायत दी थी। उनका आरोप है कि पुलिस ने मामले में मुकदमा नहीं दर्ज किया है। इस पर आज, 8 फरवरी को वह अपने समर्थकों के साथ बीबीडी थाने आई हैं। पार्षद ममता रावत का कहना है कि सुभासपा विधायक बेदीराम ने मेरे लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया है। गालियां दी हैं। उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से भी इस संबंध में अवगत कराया है। मेयर सुषमा खर्कवाल को भी लिखित में शिकायत दे चुकी हैं।

स्पेशल ओलंपिक पदक विजेता वासु तिवारी का लखनऊ में सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ, स्पेशल ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 32 वर्षीय खिलाड़ी वासु तिवारी को रविवार को पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने अपने लखनऊ स्थित आवास पर मेडल पहनाकर सम्मानित किया। मंत्री कश्यप ने वासु की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और भविष्य में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया कि वासु तिवारी ने मार्च 2025 में इटली के ट्यूरिन शहर में आयोजित स्पेशल ओलंपिक स्नोशूइंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक तथा 25 मीटर दौड़ में रजत पदक हासिल किया। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में लगभग 150 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। वासु की इस उपलब्धि पर इटली से लौटने के बाद संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी वासु को सम्मान प्रदान कर चुकी हैं। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि कम उम्र में वासु ने असाधारण साहस, अनुशासन और मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वासु को शीघ्र ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात कराई जाएगी। साथ ही उन्होंने वासु को आगामी ओलंपिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर देश और उत्तर प्रदेश का नाम और ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए प्रेरित किया। बताया गया कि इटली में आयोजित इस स्पेशल ओलंपिक के लिए वासु का प्रशिक्षण हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित नारकंडा में कराया गया था। इस प्रतियोगिता में भारतीय दल ने कुल 33 पदक जीते, जिनमें छह स्वर्ण, 18 रजत और सात कांस्य पदक शामिल हैं। वासु तिवारी मूल रूप से अयोध्या जनपद के निवासी हैं।

फास्ट न्यूज़

बिश्नोई गैंग के नाम पर 30 लाख की रंगदारी मांगी

सरोजनी नगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में एक दवा कारोबारी को कुख्यात बिश्नोई गैंग के नाम से 30 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। दवा कारोबारी गौरव बत्रा ने सरोजनी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। चिनहट के रोहित रेजिडेंसी, विकल्प खंड निवासी गौरव बत्रा सरोजनी नगर के हिन्द नगर, कानपुर रोड स्थित करुण इंटरप्राइजेज में प्रबंधक हैं।

सेल्स मैनेजर के घर लाखों की चोरी

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में एक सेल्स मैनेजर के बंद मकान से लाखों रुपये की नकदी, गहने और बुलेट बाइक चोरी हो गई। शुक्रवार रात हुई इस घटना के बाद पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हिन्दूखेड़ा, अमौसी निवासी रईस अहमद लखनऊ की एक सीमेंट कंपनी में सेल्स मैनेजर हैं। उन्होंने बताया कि 6 फरवरी, शुक्रवार को वह अपनी पत्नी और बेटे के साथ पुत्रवधू को लेने फतेहपुर जिले के जहानाबाद गए थे। 7 फरवरी, शनिवार शाम करीब छह बजे जब वे घर लौटे, तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था और लाइटें जल रही थीं। छानबीन करने पर उन्हें घर में खड़ी बुलेट बाइक, अलमारी में रखे करीब 13 लाख रुपये के गहने और 2 लाख 70 हजार रुपये नकद गायब मिले।

सांड ने बुजुर्ग को पटककर मार डाला

कानपुर। कानपुर में सांड के हमले में बुजुर्ग की मौत हो गई। वह सब्जी लेने के लिए बाजार गए थे लौटते समय सांड ने दौड़ाकर सड़क पर पटक दिया। इस दौरान मौजूद लोगों ने पानी व पत्थर फेंककर किसी तरह सांड को भगाया, लेकिन तब तक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। अस्पताल में इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। पूरा मामला शनिवार को किदवई नगर क्षेत्र का है।

ऑटो पलटने से 3 की मौत, चार लोग घायल

घने कोहरे के कारण हुआ हादसा, जिला अस्पताल में घायलों का जारी उपचार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी के धौरहरा में बीती रात 1.30 घने कोहरे की वजह से हुए सड़क हादसे में तीन की मौत हो गयी है, वही चार घायल है। यह हादसा सीएनजी ऑटो के अनियंत्रित होकर पुल से नीचे खाई में गिरने से हुआ है। घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। हादसा लखीमपुर-बहराइच लिंक हाईवे पीबी मार्ग पर धौरहरा से रसूलपुर जाने वाले रास्ते पर माझावा गांव के पास बॉयलर क्रशर के निकट हुआ। बताया जा रहा है कि ऑटो में सवार सभी लोग उच्च गांव के निवासी थे और धौरहरा कस्बे में आयोजित एक पारिवारिक समारोह से लौट रहे थे। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात करीब एक बजे घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम थी। संकरी पुलिया पर तीव्र मोड़ आने से चालक इजरायल वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। ऑटो पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरा। हादसे में 12 वर्षीय तालिबान, 5 वर्षीय खुशबू और 2 वर्षीय अजरा की मौके पर ही मौत हो गई थी। गंभीर रूप से घायल चालक इजरायल ने रविवार दोपहर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या चार हो गई। घटना में घायल किस्मत, साकिया जज़्ज़िया, निदा और अकिल का उपचार जारी है और उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

महिला समेत 2 लोग घायल, पूर्व मंत्री ने अपने काफिले की गाड़ियों से अस्पताल पहुंचाया

ईंट लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी वैगनआर कार

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। निगोहां थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव के पास रविवार दोपहर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार वैगनआर कार पीछे से ईंट लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी, जिससे कार सवार महिला और पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैगनआर का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया, जबकि ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे पलट गई और ईंटें चारों तरफ बिखर गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कुछ देर के लिए सड़क पर यातायात भी बाधित हो गया। हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान सरोजनी-नगर निवासी विकास और संगीता के रूप में हुई है। दोनों को सिर, सीने और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकाला गया। हादसे की भयावहता को देखते हुए मौके पर मौजूद लोग तुरंत मदद के लिए आगे आए। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और लोडेड ट्रॉली को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है। हादसे के बाद इलाके में पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह द्वारा दिखाई गई तत्परता और मानवता की सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय पर घायलों को अस्पताल न पहुंचाया जाता, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती थी।

पूर्व मंत्री ने घायलों को अपने एस्कॉर्ट वाहन से सीएचसी पहुंचाया।

सीएचसी में प्राथमिक उपचार, डॉक्टरों ने जताई चिंता

मोहनलालगंज सीएचसी पहुंचने पर डॉक्टरों की टीम ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। जांच के दौरान डॉक्टरों ने दोनों की हालत को गंभीर बताते हुए तत्काल पीजीआई ट्रॉमा सेंटर रेफर करने का फैसला लिया। इस दौरान पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह अस्पताल में मौजूद रहे और पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए रखी। उन्होंने एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित कराई और किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों से लगातार संपर्क में रहे।

हादसा देख पूर्व मंत्री ने तुरंत रुकवाया काफिला

इसी दौरान पूर्व जल शक्ति मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह निगोहां क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। सड़क पर दुर्घटना देखकर उन्होंने बिना देर किए अपना काफिला रुकवाया। उन्होंने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए अपनी सुरक्षा में लगे एस्कॉर्ट वाहन से घायलों को तत्काल मोहनलालगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भिजवाने की व्यवस्था कराई। पूर्व मंत्री ने मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि घायलों को समय पर इलाज मिल सके।

टक्कर इतनी जोरदार रही कि ईंटों से लदी ट्रॉली पलट गई।

ट्रॉमा सेंटर में बेहतर इलाज के निर्देश

डॉ. महेंद्र सिंह ने पीजीआई ट्रॉमा सेंटर प्रशासन से फोन पर बातचीत कर विकास और संगीता के लिए तत्काल और बेहतर इलाज सुनिश्चित करने को कहा। उनके निर्देश पर घायलों को एंबुलेंस से ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही निगोहां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कराया। साथ ही ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार को कब्जे में लेकर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

गला घोंटकर महिला की हत्या

भाई बोला- सबूत मिटाने के लिए नहर में फेंका शव, 1 माह बाद रायबरेली में मिली लाश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी थाना क्षेत्र से लापता कारोबारी की पत्नी पूनम (40) का शव करीब एक महीने बाद रायबरेली के हरचंदपुर इलाके में इंदिरा नहर से बरामद हुआ। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पूनम की मौत का कारण दम घुटना बताया गया है। उनके भाई की तहरीर पर पुलिस ने पति और देवर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। अमेठी के मोहनगंज गडेहरी पूरे बेशन गांव की रहने वाली पूनम की शादी 24 साल पहले गोंडा के परसपुर मरचीर पूरे चौहान गांव निवासी दीप कुमार सिंह से हुई थी। दीप कुमार सिंह इंदिरानगर में परिवार के साथ रहते हैं। निर्माण सामग्री का कारोबार करते हैं। पूनम के भाई भानु प्रताप सिंह के मुताबिक, 29 दिसंबर को पूनम की सास ने फोन कर बताया कि उनकी बहन का एक्सीडेंट हो गया है। परिजन जब लखनऊ पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि पूनम इंदिरा नहर में कूद गई है। सूचना पर पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से नहर में तलाश अभियान चलाया, लेकिन उस समय शव नहीं मिला। भानु के अनुसार, करीब एक महीने बाद 28 जनवरी को रायबरेली के हरचंदपुर क्षेत्र में इंदिरा नहर से एक महिला का शव बरामद हुआ। 27 जनवरी को परिजनों ने शव की पहचान पूनम के रूप में की। स्थानीय पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पूनम की मौत दम घुटने से होने की पुष्टि हुई। रिपोर्ट सामने आने के बाद 4 फरवरी को भाई भानु प्रताप सिंह की तहरीर पर बीबीडी थाने में पूनम के पति दीप कुमार सिंह और देवर बलवीर सिंह के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। भानु प्रताप सिंह का आरोप है कि पूनम की गला दबाकर हत्या की गई। सबूत मिटाने के लिए शव नहर में फेंक दिया गया। पूनम ने पहले ही बहन को बताया था कि पति उसे धमकी देता था कि वह उसकी हत्या कर दूसरी शादी कर लेगा। जांच कर रहे इंस्पेक्टर अरविंद कुमार के अनुसार, आरोपी पति का दावा है कि 29 दिसंबर को वह पत्नी के साथ बाइक से बाराबंकी जा रहे थे। रास्ते में इंदिरा नहर के पास पूनम ने बहाने से बाइक रुकवाई। अचानक नहर में छलांग लगा दी। उन्होंने बचाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। इंस्पेक्टर के मुताबिक, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत होने की पुष्टि हुई है। पति के बयान और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बिल्कुल अलग है। इसी वजह से मामले में आगे की जांच के लिए स्टेट मेडिको लीगल सेल से राय मांगी गई है। पूनम के लापता होने पर भाई भानु प्रताप सिंह ने 2 जनवरी को बीबीडी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। अब हत्या का मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

जांच: सपा विधायक नसीम बोलीं- एसआईआर फॉर्म चेक न कराएं, वोट काटने की प्लानिंग चल रही

'कानपुर में घर-घर घूम रहे फर्जी बीएलओ'

- पूर्व विधायक इरफान सोलंकी ने बताया बीएलओ बनकर पहुंचने वालों की जानकारी साझा करें।
- सपा विधायक नसीम सोलंकी ने कहा- कोई भी वोटर फर्जी बीएओ के झांसे में न आए।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में सपा विधायक नसीम सोलंकी ने कहा कि शहर में फर्जी BLO घूम रहे हैं। ये लोग SIR का नया फॉर्म जांचने के नाम पर लिस्ट से नाम कटवाने में जुटे हैं। मैं सीसामऊ की जनता से अपील करना चाहती हूं कि ऐसे लोगों के बहकावे में आने या डरने की जरूरत नहीं। क्योंकि, चुनाव आयोग ने ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया है। नसीम ने पति इरफान सोलंकी के साथ अपील करते हुए एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें दोनों कह रहे कि आपको इस बारे में कोई दिक्कत होती है तो तुरंत हमको फोन करके इसकी सूचना दें। वहीं, इस मामले को लेकर विधायक और सपा नेताओं ने चुनाव आयोग और जिला प्रशासन से शिकायत की है। सूचना के बाद तत्काल पुलिस मौके पर भेजी गई। लेकिन तब तक खुद को बीएलओ बता रहे लोग वहां से जा चुके थे। दरअसल, इसके पीछे कुछ ऐसे लोग हैं, जो वोट काटने का काम कर रहे हैं। नाम सुधार के बाद किसी भी प्रकार की रि-चेकिंग का कोई आदेश नहीं आया है। विधायक नसीम और उनके पति इरफान सोलंकी ने इस मामले को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस से भी अपील की। कहा- अगर ऐसे लोगों की कहीं से भी सूचना मिले तो उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।

इरफान सोलंकी बोले- री-चेकिंग का आदेश नहीं

सीसामऊ सीट से पूर्व विधायक इरफान सोलंकी ने कहा- शुक्रवार को मेरे पास फोन पर शिकायत आई थी। पता चला कि कुछ लोग नए नाम जोड़ने के नाम पर दोबारा फार्म चेकिंग करने की बात कह रहे हैं। लोगों से बोल रहे कि हम चुनाव आयोग की तरफ से आए हैं। यह जानकारी मिलते ही उन्होंने थानेदार को इसकी सूचना दी। क्योंकि 1 जनवरी 2026 तक जो भी फॉर्म भरे जा चुके हैं। इसे लेकर जिला प्रशासन या चुनाव आयोग की ओर से ऐसी कोई भी ऐसी जानकारी जारी नहीं दी गई है।

फर्जी अफसर घर आए तो वीडियो बनाए

इरफान सोलंकी ने कहा कि जो भी लोग इस तरह के फार्म लेकर आ रहे हैं, वे पूरी तरह से फर्जी हैं। ये लोगों को गुमराह कर रहे हैं। जनता से अपील है कि अगर ऐसे लोग कहीं भी आते हैं तो तुरंत इसकी सूचना उन्हें दें। साथ ही प्रशासन और पुलिस को भी जानकारी दें, ताकि ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जा सके और उन्हें सजा मिल सके। साथ ही अगर कोई भी व्यक्ति आपके घर आए तो उसका वीडियो जरूर बनाएं।

पृष्ठ 01 का शेष...

आतंकवाद पर...

पीएम मोदी ने मलेशियाई पीएम को अपना दोस्त बताया। उन्होंने कहा- प्रधानमंत्री ने भारत और मलेशिया के बीच बढ़ते कारोबारी संबंधों (B2B कनेक्शन्स) की सराहना की और मलेशियाई कंपनियों में भारत की विकास यात्रा के प्रति गहरी रुचि देखकर प्रसन्नता जताई। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने बातचीत के दौरान पीएम मोदी का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हमने अच्छे संबंध स्थापित किए हैं। आपको और आपकी टीम के लिए धन्यवाद।' मलेशियाई पीएम ने बताया कि दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दे चिंता का विषय हैं, जिनपर बातचीत करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'हम सभी क्षेत्रों में अधिक सहयोग की उम्मीद करेंगे। यह यात्रा मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है।' पीएम मोदी ने कल कुआलालंपुर में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मलेशिया में मिला अपनापन भारत-मलेशिया के मजबूत रिश्तों को दिखाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का आभार जताया, जो खुद एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए आए और अपनी कार से उन्हें कार्यक्रम स्थल तक लाए। पीएम मोदी ने 800 कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुति की तारीफ की और कहा कि मलेशिया में रहने वाला भारतीय समुदाय दोनों देशों के बीच एक मजबूत ब्रिज है। उन्होंने कहा कि खाना, भाषा, फिल्में और संगीत भारत और मलेशिया को दिल से जोड़ते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-मलेशिया संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और जल्द ही भारत का UPI सिस्टम मलेशिया में शुरू होगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत अपने प्रवासी भारतीयों के साथ हमेशा खड़ा रहेगा और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में उनकी अहम भूमिका है। मलेशिया ASEAN का एक अहम सदस्य देश है और ऐसे में पीएम मोदी की यह यात्रा भारत-ASEAN संबंधों को नई ताकत दे सकती है। भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' में ASEAN हमेशा से केंद्रीय भूमिका में रहा है और मलेशिया इस ग्रुप में भारत का एक भरोसेमंद साझेदार है। खास बात यह है कि भारत इस समय ASEAN के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (AITIGA) को अपडेट करने की कोशिश कर रहा है। मौजूदा समझौते को लेकर भारत को लंबे समय से यह शिकायत रही है कि इससे व्यापार घाटा बढ़ा है और भारतीय कंपनियों को बराबर का फायदा नहीं मिल पा रहा। भारत का आसियान के साथ व्यापार घाटा 2022-23 में यह लगभग 43 अरब डॉलर तक पहुंच गया। ऐसे में पीएम मोदी का यह दौरा AITIGA को ज्यादा बैलेंस और आधुनिक बनाने के लिए ASEAN देशों का समर्थन जुटाने में मदद कर सकता है।

अजित पवार की...

दरअसल, एनसीपी की युवा इकाई राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा की अगुवाई में कश्मीर से कन्याकुमारी तक अजित पवार की 'अस्थि कलश यात्रा' निकाली गई थी। 12 राज्यों से गुजरी यात्रा का समापन आज बेटे और परिवार की मौजूदगी में संगम में हुआ। अजित पवार का 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर एक चार्टर्ड विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। हादसे में उनके साथ दो पायलट, एक महिला क्रू मेंबर और एक सुरक्षाकर्मी समेत कुल 5 लोगों की जान चली गई थी। विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से पहले गिर गया था और उसमें आग लग गई थी। अजित के निधन के बाद पत्नी सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

गौरव गोगोई का...

असम में कोई उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता। असम कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि हिमंता परिवार ने कथित तौर पर पूरे असम में 4,000 एकड़ जमीन कैसे हासिल की। उन्होंने कहा कि राज्य में भविष्य की कांग्रेस सरकार ऐसी जमीनों को गरीबों में बांट देगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिमंता ने बताया कि हमने मौजूदा सांसद गौरव गोगोई से पाकिस्तान कनेक्शन के बारे में पूछताछ नहीं की है। हमने उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए यह मामला केंद्र पर छोड़ दिया है। हिमंता ने यह भी कहा कि अगर अब गौरव गोगोई को गिरफ्तार करने जैसा कदम उठाया तो मुझ पर असम विधानसभा चुनावों से पहले राजनीति करने का आरोप लगेगा।

कोटा में जिस...

हादसे के बाद प्रशासन ने तय किया कि कोटा शहर में मौजूद सभी खंडहर, जर्जर और निर्माणाधीन इमारतों का सर्वे कराया जाएगा। दो से तीन दिन के भीतर यह सर्वे पूरा किया जाएगा। बिल्डिंग हादसे को लेकर लोगों में नाराजगी है। पार्षद योगेश आहलूवालिया ने बताया - हादसा पूरी तरह से निगम की लापरवाही, बिल्डिंग मालिक की लापरवाही की वजह से हुआ। जो रेस्टोरेंट ढहा है और इसके पास वाले मुरादाबादी रेस्टोरेंट को 2 महीने पहले भी बंद करवाया गया था, लेकिन फिर से इन लोगों ने यहां पर काम शुरू कर दिया। इसके बाद न तो निगम ने कभी यहां आकर देखा न कोई जांच की। धमाके साथ ढही दिल्ली रेस्टोरेंट की बिल्डिंग में 10 से ज्यादा लोग दब गए थे। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान हालात यह थे कि मलबे में दबे लोग चीख रहे थे, हमें बचा लो। किसी का हाथ बाहर दिख रहा था तो किसी का पैर। SDRF की टीम रात करीब 3 बजे तक मलबे में दबे लोगों को निकालने में जुटी रही। रेस्क्यू के दौरान बचाव दल का एक कर्मचारी भी घायल हो गया।

सोना पकड़ने ई-रिक्शा से पहुंचे थे जीएसटी अफसर

मार्केट से 1 किमी दूर छोड़ीं गाड़ियां, 33 करोड़ का माल पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। संभल में 4 फरवरी को GST अफसरों ने ज्वेलर के यहां छापा मारकर 33 करोड़ का सोना-चांदी और डायमंड जब्त किया। इस छापेमारी को अंजाम देने के लिए अफसरों ने पूरी प्लानिंग की। मार्केट में किसी को छापेमारी की भनक न लगे, इसलिए अफसरों ने अपनी गाड़ियां दुकान से करीब एक किलोमीटर पहले ही छोड़ दीं। इसके बाद 2 टीमों में बंटकर अफसर दो ई-रिक्शे पर बैठकर मार्केट पहुंचे। कस्टमर बनकर मोंटू ज्वैलर की शॉप में एंट्री की। उसके बाद छानबीन शुरू की। 2 घंटे तक न कोई दुकान से बाहर आया, न अंदर गया। 2 घंटे बाद जब टीम की 4 गाड़ियां और पुलिस फोर्स ज्वैलरी शॉप पर पहुंची, तब छापेमारी की खबर फैली। बता दें, चंदौसी के महाजन बिसौली गेट में रहने वाले हिमांशु अग्रवाल के मोंटू ज्वेलर्स पर जीएसटी विभाग ने 21 घंटे तक छापेमारी की। इसमें 33 करोड़ का सोना, चांदी और हीरे बरामद किए गए। जिसका हिसाब करोबारी नहीं सके। विभाग ने ज्वेलर से 1.20 करोड़ का जुर्माना भी वसूला है। मुरादाबाद के GST विभाग के एक अफसर ने बताया- हमारी टीम ने शहर के नामी ज्वेलर हिमांशु अग्रवाल की मोंटू ज्वेलर्स शॉप की एक महीने तक रेकी की। पुख्ता जानकारी के बाद 4 फरवरी को 10 अधिकारी चंदौसी पहुंचे। उन्होंने अपनी 4 गाड़ियां शहर के बाहर छोड़ दीं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676